THE MAGIC OF THINKING RICH

SEASON 3 DAY – 12

दिनांक - 14/5/2021 समय - शाम 7.30 बजे

यदि आप पूरी तरह निस्वार्थ होकर दुनिया का सहयोग करते हैं,

तो पूरा ब्रह्माण्ड अनंत रूप से आपका सहयोग करता है ।

COACH BSR ने सबका वेलकम किया .....

COACH BSR ने कार्यशाला की शुरुआत सेलिब्रेशन के साथ की..

12 दिन तक जीरो कंप्लेंट से जी रहे हैं इस समय में जहां प्रॉब्लम्स तकलीफ है न जाने क्या-क्या है फिर भी हम कंप्लेंट के बिना जी रहे हैं

हमारे अंदर फीलिंग आये **I AM MORE THAN ENOUGH**

मैं जैसा हूं पर्याप्त हूं। जो जो चाहे वह कर सकते हो।

आपकी जिंदगी को पूरी तरह बदल देंगे मुसीबतें जितनी भी बड़ी आये जिंदगी में आपके चेहरे पर हमेशा मुस्कुराहट होगी अगर आपने **28** दिन का वर्कशॉप अटेंड किया तो..

हम जब भी कोई विश मेनिफेस्ट करो तो टेक्निक से करे और यूनिवर्स को सिर्फ विश बोले

जो भी विश करे क्लियर बोले ओर सही से बोले जैसे **50**लाख रु चाहिए तो ऐसे बोले कि **1** साल का प्रॉफिट मुझे **50** लाख चाहिए यदी सही से नही बोलते तो यूनिवर्स देता तो है पर खर्चे भी उस से ज्यादा मिल जाते है इसलिये क्लीयर बोलो जैसे हम कह रहे कि मुझे **BMW** कार चाहिए तो कार का ड्राईवर भी बना सकते है **।**

क्लीयर कहे मुझे **50** लाख का प्रॉफिट हो और में उस से कार खरीद कर मेरी फैमिली के साथ घूमने जा रहा दो दिन के लिए एन्जॉय कर रहा हु विजुलाइजेशन करो ओर जब भी हम प्रॉब्लम आती है तब हम कोई विश मांग रहे ओर नही मांग रहे तब भी विश बोल कर उसे **LET HIM SEE** कहो जिसने प्रॉब्लम दी है वही सुलझा भी देगा **।**

COACH BSR ने कहा अगर आपने पांच चीजें नहीं जानी तो **LAW OF ATTRACTION** काम नहीं करेगा... पांच चीजें आपकी **MASSIVE SUCCESS** दिलाने वाली है...

5 चीजें जो आपको उच्च उपलब्धि हासिल करने के लिए प्रबंधित करने की आवश्यकता है।

1. अस्वीकृति को प्रबंधित करना सीखें

अस्वीकृति - रिजेक्शन से डरना नही है हम रिजेक्शन से टूट जाते है पर हमें हिम्मत नही हारनी है यह स्वाभाविक है। अस्वीकृति हमेशा आपके रास्ते में आएगी; आप जो कुछ भी करते हैं उसमें। आपके करीबी लोग आपके विचारों को अस्वीकार कर सकते हैं, आप कभी-कभी परीक्षा में असफल हो सकते हैं, आप बिक्री में, पदोन्नति में, वृद्धि में, व्यवसाय में आदि में असफल हो सकते हैं। इसके अलावा, कभी-कभी आप कम आत्मविश्वास के कारण खुद को अस्वीकार कर देंगे। अस्वीकृति जीवन का हिस्सा है। जो रिजेक्शन को बेहतर तरीके से मैनेज करता है वह सफल होगा।

थॉमस अल्वा एडिसन का उदाहरण लें, जो प्रकाश बल्ब का आविष्कार करने से पहले **999** बार असफल हुए थे। जब एक

रिपोर्टर ने पूछा, "999 बार फेल होना कैसा लगा?" एडिसन ने उत्तर दिया, "मैं 999 बार असफल नहीं हुआ। प्रकाश बल्ब एक आविष्कार था जिसमें 1,000 कदम थे।" "महान सफलता असफलता, हताशा, यहां तक कि आपदा पर भी टिकी होती है।"

कर्नल सैंडर्स के नुस्खा को किसी के स्वीकार करने से पहले 1,009 बार खारिज कर दिया गया था। जब वे इस तरह से संघर्ष कर रहे थे तब वे 65 वर्ष के सेवानिवृत्त व्यक्ति थे। सैंडर की "सीक्रेट रेसिपी" ने "केंटकी फ्राइड चिकन (केएफसी)" गढ़ा, और जल्दी ही हिट हो गया। अगर उनमें 1,009 बार रिजेक्शन स्वीकार करने का स्वभाव नहीं होता, तो हमें केएफसी का स्वाद चखने का मौका कभी नहीं मिलता।

सिल्वेस्टर स्टेलोन ने 'रॉकी' स्क्रिप्ट लिखी थी और इस स्क्रिप्ट की फिल्म में अभिनय करना चाहते थे। 1500 से अधिक बार अस्वीकार किए जाने के बाद, स्टेलोन को अनुमति दी गई। इस अस्वीकृति अवधि के दौरान, स्थिर आय अर्जित करने में सक्षम नहीं होने के कारण, उसने अपने कुत्ते को $25.0 में बेच दिया। अंत में फिल्म बनी और यह तुरंत सफल हो गई। 1500 अस्वीकरणों के बाद, स्टेलोन करोड़पति बन गए और संयोग से उनकी पहली खरीदी 20,000 डॉलर में अपने कुत्ते को वापस खरीद रही थी।

कहो, "आई लव रिजेक्शन"

हल्के-फुल्के अंदाज में COACH BSR ने कहा, "अगर आप सुपरस्टार बनना चाहते हैं तो COACH BSR की जेसा सोचें। एक दिन, सभी हस्तियां COACH BSR से प्रशिक्षण लेने के लिए लाइन में लग जाएंगी। इस प्रकार की बातचीत को 'चमत्कार वार्तालाप' कहा जाता है। कभी-कभी "चमत्कार वार्तालाप" का अभ्यास करें। यह भी ब्रह्मांड में अपनी इच्छाओं को भेजने का एक तरीका है।

2. निराशा को प्रबंधित करना सीखें

असफलता के कारण, अपेक्षाओं की पूर्ति न होने के कारण, विकास की पूर्ति न होने के कारण आदि के कारण हम निराशा का अनुभव करते हैं। यदि आप सफल होना चाहते हैं, तो निराशा के कारण हार न मानें। निराशा का संबंध अस्वीकृति से भी है।

मारवन अट्टापतु का उदाहरण लें

श्रीलंका के लिए टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण करते हुए, मारवन ने अपनी पहली पारी में शून्य रन बनाया। वहीं दूसरी पारी में भी शून्य पर आउट हो गए।

चयनकर्ताओं ने उन्हें बाहर कर दिया। इसलिए वह अधिक अभ्यास, अधिक प्रथम श्रेणी क्रिकेट और अधिक रन के लिए प्रैक्टिस पर

वापस चले गये। मारवन को इक्कीस महीने के बाद, उसे दूसरा मौका मिला।

इस बार उन्होंने और अधिक प्रयास किया। उनका स्कोर: पहली पारी में **0**, दूसरी में **1**। उसे फिर निकाल दिया गया। वह फिर से प्रैक्टिस के लिए चले गये। उन्होंने प्रथम श्रेणी क्रिकेट में कई टन रन बनाए। टेस्ट विफलताओं की दर्दनाक यादों को मिटाने के लिए रन अपर्याप्त लग रहे थे। खैर, सत्रह महीने बाद, अवसर ने फिर दस्तक दी। मारवन को टेस्ट की दोनों पारियों में बल्लेबाजी करने का मौका मिला। उनके अंक: **0** और **0**।

वापस प्रैक्टिस के लिए चले गए ! क्या चयनकर्ता कभी उन्हें एक और मौका देंगे? उन्होंने कहा, "उनके पास बड़े मैच वाले स्वभाव की कमी थी। उच्चतम स्तर पर उनकी तकनीक काफी अच्छी नहीं थी।" निडर, मारवन कोशिश करता रहा।

तीन साल बाद उन्हें एक और मौका मिला। इस बार उन्होंने रन बनाए। उसके बाद यह एक शानदार करियर की शुरुआत थी; श्रीलंका के लिए मारवन ने **5000** से अधिक रन बनाए। जिसमें सोलह शतक और छह दोहरे शतक शामिल थे। और वह अपने देश की कप्तानी करने चला गया। यह सब टेस्ट क्रिकेट में अपना

दूसरा रन बनाने में छह साल से अधिक समय लेने के बावजूद हुआ। वाह! क्या लड़का है!

3. डर को प्रबंधित करना सीखें

आप सभी को तरह-तरह के डर हैं। अस्वीकृति का डर, असफलता का डर, अज्ञात का डर आदि। इसलिए आपको अपने डर को प्रबंधित करना सीखना चाहिए। जिस बात से डरो, उसका डटकर सामना करो; अन्यथा आपका डर आपकी प्रगति और सफलता की संभावना को खत्म कर देगा।

COACH BSR की कहानी: **1995** के दौरान की बात है। **COACH BSR** ने सैनिक स्कूल के लिए आवेदन भरा। वह उस स्कूल में गया जहां प्रवेश परीक्षा आयोजित की जानी थी। **COACH BSR** को डर था कि परीक्षा अंग्रेजी में होगी। परीक्षा से पहले, पर्यवेक्षकों ने वैधानिक निर्देश दिए और उल्लेख किया कि परीक्षा के दौरान किसी को भी हॉल से बाहर जाने की अनुमति नहीं होगी। कागज देखने के बाद **COACH BSR** ने अपने मूत्राशय में दबाव महसूस किया। लेकिन एक समय के बाद वह इसे रॉक नहीं सके। **COACH BSR** और उनके परिवार ने

अपमानित महसूस किया। यह इस कारण से हुआ कि **COACH BSR** अपने डर को नियंत्रित नहीं कर सके और निरीक्षकों से शौचालय जाने की अनुमति नहीं मांग सके।

आपके जीवन में भय अवश्य आयेगा। डर को जीतना ही एकमात्र तरीका है जिससे आप सफल हो सकते हैं।

4. वित्तीय दबाव को प्रबंधित करना सीखें

जैसे प्रैशर होता है हमने किसी से पैसा लिया और चुका नही पाए तो फ़्रेस्ट्रेशन हो गया और पैशन खो दिया सुसाइड करने की सोचले ऐसा नही करना है और डील करना है अच्छे से

जिसने फाइनेंस प्रेशर को डील कर लिया वो जीत गया।

लोगों ने सद्गुरु के ISHA फाउंडेशन के खिलाफ 100 मुकदमे दर्ज किए। इतने सारे मामलों का सामना करना एक बड़ी वित्तीय चुनौती है। सद्गुरु दृढ़ रहे और सभी मामलों को जीत लिया।

अमिताभ बच्चन कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एबीसी कॉर्पोरेशन) की स्थापना १९९६ में हुई थी। एबीसी ने २००० तक २० अरब रुपये का कारोबार करने का अनुमान लगाया था। हालांकि, अमिताभ बच्चन की भूमिका वाली फिल्मों के निर्माण से लेकर मिस वर्ल्ड पेजेंट को प्रायोजित करने तक, कंपनी को लाखों का नुकसान हुआ और वह इसमें थी एक गहरी वित्तीय गड़बड़ी। एक बिंदु पर अमिताभ बच्चन ने खुद को दिवालिया घोषित कर दिया। लेकिन वह अपने हुनर पर ध्यान देते रहे और आर्थिक दबाव को बखूबी

मैनेज करते रहे। आज वह जीवन के सभी पहलुओं में एक बड़े सिकंदर है।

COACH BSR को खुद **2016-17** में **20%** कर्ज पर **1.5** करोड़ का कर्ज झेलना पड़ा। कारोबार नीचे चला गया। रिश्तेदारों, क्रेडिट कार्ड आदि से **COACH BSR** आंशिक रूप से प्रबंधित किया गया, लेकिन चीजें ठीक नहीं हुईं। **COACH BSR** को बैंक और कर्जदाताओं के फोन आने लगे। **COACH BSR** ने केवल यही अच्छा काम किया कि विकास संबंधी शिक्षा में निवेश करना बंद न किया जाए। एक-एक साल में धीरे-धीरे चीजें सकारात्मक होने लगीं।

वित्तीय चुनौतियों के दौरान; किसी को इस बात पर ध्यान नहीं देना चाहिए कि वह सबसे अच्छा क्या कर सकता है, बिक्री योग्यता बढ़ाने के लिए कौशल सीखकर अपनी कमाई की क्षमता को बढ़ाने का प्रयास करना चाहिए।

5.सफलता का प्रबंधन करना सीखें

यदि आप पिछले **4** मापदंडों को अच्छी तरह से प्रबंधित करते हैं, तो आप निश्चित रूप से सफल होंगे और सफलता के साथ, आप

एक ऐसे क्षेत्र में पहुंच जाएंगे, जिसे कंप्लेंसी या कम्फर्ट जोन कहते हैं। सफलता के बाद लोग सतर्क हो जाते हैं। वे अति आत्मविश्वासी, अभिमानी, अभिमानी आदि हो जाते हैं।

सबसे अधिक मृत्यु (90%) चोटी पर विजय प्राप्त करने के बाद एवरेस्ट से नीचे आते समय होती है। वही कहानी आपको दिवालिया लोगों के साथ मिलेगी। इसलिए जमीन से जुड़े रहने के लिए सावधान रहें, अपनी मेहनत जारी रखें और दूसरों के प्रति भी उतने ही समझदार बने रहें जितने की सफलता से पहले थे।

अखिर में जीत उसी होती है, जिसी जीद होती है

अंत में, दृढ़ता और दृढ़ संकल्प वाला व्यक्ति ही विजेता होगा।

THANK YOU
TEAM BSR